

दैनिक

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 88

गुरुवार, 02 अप्रैल-2026 (गाजियाबाद)

पेज-8

मूल्य-एक रुपया

निर्मला के 'टैक्स-आतंक' में तड़पता हिंदुस्तान

वसूली का 'अड्डा' बना जीएसटी विभाग, व्यापारियों के लिए काल बनी मोदी सरकार की अफसरशाही

‘ईमानदारी की सजा, भ्रष्टाचार का मजा’—अदालती आदेशों को ढेंगे पर रख जीएसटी कमिश्नर चला रहे अपनी समानांतर सरकार



ललित कुमार शर्मा

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भले ही आंकड़ों की बाजीगरी में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' का ढोल पीटती रहें, लेकिन धरातल पर उनकी नाक के नीचे जीएसटी विभाग 'आर्थिक कत्लगाह' बन चुका है। जो विभाग देश की तरक्की का जरिया होना था, वह आज बेलगाम अफसरों की 'प्राइवेट उगाही कंपनी' में तब्दील हो गया है। पंजीकरण से लेकर रिफंड तक और नोटिस से लेकर अपील तक—हर मेज पर रिश्तत की दरें तय हैं। जो व्यापारी सिस्टम को 'घी' नहीं लगाता, उसे कागजों के ऐसे जाल में फांसा जाता है कि उसका दम निकल जाए। यह सिर्फ टैक्स नहीं, बल्कि सरकारी संरक्षण में चल रही 'संगठित डकैती' है।

इस पूरे सिस्टम से व्यापारियों के सवाल

सरकारी डकैती: कानून की आड़ में सरेआम वसूली।

अदालती अवमानना: जजों के फैसलों को ढेंगे पर रखते अफसर।

आर्थिक आतंकवाद: नोटिसों के जरिए व्यापारियों को मौत के घाट उतारना।

वित्त मंत्री की चुप्पी: क्या वसूली के इस खेल में मंत्रालय की मूक सहमति है?

पीएम मोदी का 'चाय वाला' कनेक्शन: असम के बागान में पतियां तोड़ीं, महिला मजदूरों के साथ ली सेल्फी; तस्वीरें

वेलकम इंडिया नेटवर्क

असम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को असम के डिब्रूगढ़ में चाय बागान के मजदूरों के साथ एक यादगार सुबह बिताई। मनोहर टी एस्टेट पहुंचे पीएम मोदी ने वहां काम करने वाली महिला मजदूरों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को करीब से जाना। उन्होंने न केवल उनके साथ चाय की पतियां तोड़ीं, बल्कि उनके पारंपरिक झुमुर नृत्य का भी आनंद लिया। पीएम ने चाय को 'असम की आत्मा' बताते हुए यहां के परिवारों की मेहनत की सराहना की। चुनाव प्रचार के बीच चाय बागान समुदाय के साथ उनका यह जुड़ाव काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

महिला मजदूरों के साथ संवाद

पीएम मोदी ने चाय बागान की



महिला मजदूरों के साथ खड़े होकर बातचीत की। इस दौरान महिलाओं ने अपनी शिक्षा, स्वास्थ्य और वेतन से जुड़ी समस्याओं को प्रधानमंत्री के सामने रखा।

असम की आत्मा है चाय: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर फोटो शेयर करते हुए लिखा कि चाय असम की आत्मा है।

उन्होंने यहां की प्राकृतिक खूबसूरती और चाय बागान से जुड़े परिवारों के अटूट जज्बे की जमकर तारीफ की।

चाय बागान का भ्रमण

डिब्रूगढ़ के इस दौरे पर पीएम ने वहां की स्थानीय परंपराओं को करीब से देखा। महिला मजदूरों के साथ बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री काफी सहज और खुश नजर आए। काम



के बीच एक महिला मजदूर ने प्रधानमंत्री के साथ सेल्फी भी ली। पीएम मोदी ने इस खुशी के पल को साझा करते हुए इसे एक बेहद सुखद और यादगार अनुभव बताया।

खुद भी तोड़ी चाय की पतियां

सिर्फ बातचीत ही नहीं, बल्कि पीएम मोदी ने खुद भी चाय की पतियां तोड़ीं। उन्होंने पारंपरिक तरीके से टोकरी में पतियां डालकर मजदूरों के

काम में हाथ बंटया। प्रधानमंत्री ने करीब आधा घंटा चाय बागान के मजदूरों के साथ बिताया। उन्होंने महिलाओं के समूह से उनके बच्चों की पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं को लेकर विस्तार से बातें कीं।

पारंपरिक नृत्य का आनंद

दौरे के दौरान वहां की महिलाओं ने पारंपरिक 'झुमुर' नृत्य की प्रस्तुति दी।

● सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की 'शव-परीक्षा'

देश की सबसे बड़ी अदालत और विभिन्न हाईकोर्ट्स ने बार-बार कहा है कि सप्लायर की गलती की सजा खरीदार (Buyer) को नहीं दी जा सकती। लेकिन निर्मला सीतारमण के 'शूरवीर' अधिकारी इन फैसलों को कचरे के डिब्बे में फेंक चुके हैं। सप्लायर टैक्स लेकर चंपत हो जाता है और अधिकारी उसे पकड़ने की जहमत उठाने के बजाय ईमानदार खरीदार का गला दबाते हैं। खरीदार से दोबारा टैक्स वसूला जाता है, उसकी संपत्तियां कुर्क करने की धमकी दी जाती है। यह न्याय नहीं, सरेआम गुंडागर्दी है।

● 10 साल पुराने 'गड़े मुर्दे' और ब्लैकमेलिंग का खेल

विभाग ने वसूली का नया हथियार खोजा है—'दशकों पुराने नोटिस'। उन सालों के टैक्स की रसीदें मांगी जा रही हैं, जिनका रिकॉर्ड शायद खुद सरकार के पास भी न हो। व्यापारियों को पता है कि अगर 10 साल पुरानी रसीद नहीं मिली, तो उन्हें 'ब्लैकमेल' किया जाएगा। अधिकारियों का सीधा फंडा है—या तो मोटी रिश्तत दो, या फिर बैंक खाते फ्रीज करवाओ। इस मानसिक प्रताड़ना के कारण दर्जनों व्यापारियों की हार्ट अटैक से मौत हो चुकी है, जिसे 'संस्थागत हत्या' कहना गलत नहीं होगा।

● '10% का टोल टैक्स': अपील का अधिकार भी बिकाऊ

भारतीय संविधान हर नागरिक को न्याय का हक देता है, लेकिन जीएसटी एक्ट के काले कानून ने इसे छीन लिया है। अधिकारी बिना सोचे-समझे हजारों करोड़ की फर्जी डिमांड निकाल देते हैं। अगर व्यापारी को अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए अपील करनी है, तो उसे पहले 10% रकम की 'रंगदारी' जमा करनी होगी। यह कानून नहीं, बल्कि व्यापारियों की जेब काटने का 'सरकारी नाका' है।

● मोबाइल स्वचाड और फजीवर्डि का 'नेक्सस'

सड़कों पर धूमने वाले मोबाइल स्वचाड अब 'टेक्निकल एरर' के नाम पर डकैती कर रहे हैं।

साढगाढ का खेल : जो करोडों का माल नंबर दो में पार कर रहे हैं, उनकी अधिकारियों से सेटिंग है। उन्हें कोई नहीं रोकता।

ईमानदार का शिकार : जो प्रॉपर बिल लेकर निकलता है, उसे ई-वे बिल की छोटी सी गलती पर ऐसे घेरा जाता है जैसे वह कोई आतंकवादी हो।

● फर्जी GST का 'जन्मदाता' कौन ?

फर्जी आधार और पैन कार्ड का उपयोग कर हजारों फर्जी जीएसटी नंबर चल रहे हैं। सवाल वित्त मंत्री से है—बिना आपके अधिकारियों की 'हरी झंडी' के ये रजिस्ट्रेशन कैसे हो गए? जब डेटा मिसमैच की शिकायत होती है, तो अधिकारी असली पीडित को ही प्रताड़ित करते हैं। भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने के लिए विभाग पूरी ताकत लगा देता है, जबकि आम आदमी दर-दर की ठोकरें खाता है।

● व्यापारियों का अल्टीमेटम: 'टैक्स दें या जान ?'

वित्त मंत्रालय की इस संवेदनहीनता ने व्यापारियों को सड़कों पर आने के लिए मजबूर कर दिया है। निर्मला सीतारमण का विभाग सिर्फ 'कलेक्शन' के पीछे पागल है, उसे इस बात की परवाह नहीं कि उसकी नीतियां कितने घरों के विराग बुझा रही हैं। अगर यही आलम रहा, तो भारत का व्यापारिक ढांचा ढह जाएगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी केंद्र सरकार की तानाशाही नीतियों पर होगी।

अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाने का बिल लोकसभा से पारित, भाजपा-कांग्रेस ने दिया समर्थन

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। अमरावती को आंध्र प्रदेश की स्थायी और एकमात्र राजधानी के रूप में मान्यता देने वाला बिल बुधवार को लोकसभा से पारित हो गया। भाजपा और तैदेपा के साथ ही कांग्रेस ने भी इस बिल का समर्थन किया। हालांकि आंध्र प्रदेश की मुख्य विपक्षी पार्टी वाईएसआरसीपी ने इस बिल का विरोध किया। लोकसभा में आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026 पर बहस शुरू करते हुए कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह से बिल का समर्थन करती है, लेकिन राज्य को विशेष दर्जा भी दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अमरावती को बंगलूरू, चेन्नई या हैदराबाद की तरह विकसित किया जाए। विशाखापत्तनम, तिरुपति और कुर्नूल को भी विकसित किया जाए। हम अमरावती को आंध्र प्रदेश की स्थायी राजधानी मानते हैं।' आंध्र प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी तैदेपा के सांसद और केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार



राज्यमंत्री चंद्र शेखर पेम्मासानी ने भी सदन से अपील की कि बिल को सर्वसम्मति से पास किया जाए ताकि आंध्र प्रदेश की स्थायी राजधानी मिल सके। भाजपा सांसद सीएम रमेश ने कहा कि यह आजाद भारत के इतिहास में पहली बार है जब संसद में किसी स्थान को राज्य की राजधानी घोषित करने के लिए विधेयक पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि अमरावती को स्थायी राजधानी बनाने से कोई इसे बदल नहीं सकेगा। उन्होंने पूर्व की वाईएसआरसीपी की सरकार द्वारा तीन राजधानियों की योजना को तर्कहीन और अव्यवहारिक बताया। वहीं, वाईएसआर कांग्रेस के सांसद पीवी मिथुन रेड्डी ने बिल का विरोध करते हुए कहा कि किसानों के हितों की सुरक्षा और मुआवजे की स्पष्ट समयसीमा के बिना इस बिल का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि अमरावती विकास के लिए राज्य सरकार ने 34,000 एकड़ भूमि अधिग्रहित की थी। जिसके लिए किसानों को रिहायशी प्लॉट आदि देने का वादा किया गया था, लेकिन अभी तक किसानों को इसका फायदा नहीं मिला।

संपादक की कलम से



परंपरा और आधुनिकता के बीच त्रिशंकु बना समाज

वर्तमान समय का मनुष्य एक विचित्र द्वंद्व में जी रहा है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में वह इतनी तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है कि उसकी अपनी सनातीन परंपराएँ धीरे-धीरे धुंधलाने लगी हैं। परिणामस्वरूप वह न पूर्णतः आधुनिक बन पाया है, न



ललित शर्मा

संपादक

आत्मा के उत्कर्ष की बात करती है किन्तु दूसरी ओर, पाश्चात्य संस्कृति ने मानव जीवन को तार्किकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और व्यावहारिकता का नया आयाम दिया है। उसने मनुष्य को प्रश्न करना सिखाया, प्रमाण और तर्क के आधार पर सत्य को परखने की प्रवृति विकसित की। विज्ञान और तकनीक के अद्भुत विकास ने जीवन को सुविधाजनक, सुगम और व्यापक बना दिया है। आज मानव चंद्रमा से आगे बढ़कर सूर्य के रहस्यों को जानने की चेष्टा कर रहा है, और सुजन के नए आयाम खोजते हुए प्रकृति को चुनौती देने का साहस भी दिखा रहा है। यहीं से द्वंद उत्पन्न होता है। एक ओर अध्यात्म की गहराई है, तो दूसरी ओर भौतिकता की व्यापकता। एक ओर परंपरा की स्थिरता है, तो दूसरी ओर आधुनिकता की गतिशीलता। यदि मनुष्य केवल परंपरा से चिपका रहे, तो वह जड़ता का शिकार हो सकता है; और यदि केवल आधुनिकता को अपनाए, तो वह अपनी पहचान और संवेदनाओं से दूर हो सकता है। आज की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि हमने पाश्चात्य संस्कृति के सार को नहीं, बल्कि उसके बा आरण को अपनाया है। परिणामस्वरूप संयुक्त परिवारों का विघटन हो रहा है, संबंधों में ऊष्मा कम होती जा रही है, बुजुर्गों के प्रति सम्मान घट रहा है और जीवन एक यांत्रिक प्रक्रिया बनता जा रहा है। भौतिक सुख–सुविधाओं की अंधी चाह ने मनुष्य को भीतर से रिक्त कर दिया है। परिवारों में अलगाव, अकेलापन और तनाव की स्थितियाँ बढ़ रही हैं। फिर भी यह एकांगी दृष्टिकोण नहीं होना चाहिए। पाश्चात्य प्रभाव ने समाज में अनेक सकारात्मक परिवर्तन भी किए हैं। स्त्री सशक्तिकरण इसका प्रमुख उदाहरण है। जो महिलाएँ कभी घर की चारदीवारी तक सीमित थीं, आज वे शिक्षा, व्यवसाय और नेतृत्व के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों छू रही हैं। सामाजिक खुलापन, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अवसरों की समानता ने समाज को अधिक गतिशील और प्रगतिशील बनाया है। अतः आवश्यकता इस बात की है कि हम किसी एक ध्रुव के प्रति अंध–आसक्ति न रखें। न तो अतीत की रूढ़ियों में जकड़े रहे, और न ही आधुनिकता के अंधानुकरण में अपनी पहचान खो दें। विवेक का मार्ग ही यहाँ संतुलन प्रदान कर सकता है। जैसा कि एक संतुलित विीणा के तार ही मधुर संगीत उत्पन्न करते हैं। न अत्यधिक कसाव, न अत्यधिक ढील वैसे ही जीवन में भी परंपरा और आधुनिकता का संतुलित समन्वय आवश्यक है।

जीयो और जीने दो मेरे यार

उदय किशोर साह

कविता



खुद भी हैंसों और गैरों को भी तुम हैंसाओ खुशियों की सौगात जन जन तक पहुँचाओ करा दो धरा पे खुशियों की आज बरसात इसमें नहीं होता है किसी पूँजि की कोई बात मुफ्त का होता है खुशियों का अमूल्य व्यापार टैक्स भी नहीं लेती है देश की कोई सरकार सेहत के लिये है रामवाण औषधि मेरे यार खोल दो जगत में खुशी की मुफ्त की बाजार

खुशियां लाती है जीवन में नई नई सी बहार फिजां में घुल जाती है जीने की मौसम बयार जन जन को है आज इस औषधि की दरकार गम से निजात देकर देती है खुशियों की संसार

खुशियां बाँट कर खुद भी यहाँ खुशी मनाओ हर एक को जीवन में खुशहाली दिलाओ दिल की तार में स्वताः उठ जायेगी इनकार बदल दो समाज में वैमनस्यता की सहचार

बदलना होगा खुद की नीच सोंच व व्यवहार पड़ोसी को भी देना होगा खुशियों की उपहार कण कण में बहेगी जब खुशी की ये। बयार झूम उठेगा खुशी से हर गाँव व अपना जवार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित करारक ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी. सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया।
संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।



डॉ विजय गर्ग

लेखक

शिक्षा को लंबे समय से महान समीकरण, अवसर और बेहतर जीवन का द्वार माना जाता रहा है। हम कक्षा के अंदर क्या होता है, पाठ्यक्रम मानक, परीक्षा स्कोर और शिक्षक योग्यता पर गहन ध्यान केंद्रित करते हैं। लेकिन बच्चे के विकास और भविष्य की सफलता का एक महत्वपूर्ण, अक्सर अनदेखा किया जाने वाला पहलू स्कूल के द्वार से परे है: सामाजिक पहुंच। सामाजिक पहुंच क्या है? सामाजिक पहुंच से तात्पर्य है किसी छात्र की औपचारिक शैक्षणिक वातावरण के बाहर होने वाली सामाजिक, मनोरंजक और पाठ्येतर गतिविधियों में पूर्ण रूप से भाग लेने की क्षमता। यह रिश्तों को बनाने, सॉफ्ट स्किल्स विकसित करने और रुचियों का पता लगाने के लिए नेटवर्क, संसाधन और अवसर रखने के बारे में है। जबकि स्कूल बुनियादी ज्ञान प्रदान करते हैं, सामाजिक पहुंच वह संदर्भ



डॉ. पियंका सौरभ

लेखिका

हालिया एलपीजी संकट ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जैसी महत्वाकांक्षी कल्याणकारी पहलों की चमक धूमिल कर दी है। मार्च 2026 में पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक तनावों से उत्पन्न यह संकट, जब ईरान-इजरायल-अमेरिका संघर्ष ने होर्मुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध कर दिया, तब भारत की लगभग 60 प्रतिशत आयात निर्भरता पूरी तरह उजागर हो गई। दुनिया के सबसे बड़े एलपीजी उपभोक्ता देशों में शामिल भारत में अचानक सिलेंडरों की लंबी कतारें दिखने लगीं, ग्रामीण महिलाओं के रसोईघर ठंडे पड़ गए और व्यावसायिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुईं। उज्ज्वला योजना ने 10 करोड़ से अधिक कनेक्शन वितरित कर स्वच्छ ईंधन क्रांति का दावा किया था, किंतु इस संकट ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल विस्तार ही प्रभावी वितरण की गारंटी नहीं होता।

घरेलू उत्पादन मांग के मुकाबले अপর্যাপ रहा, भंडारण क्षमता महज पांच दिनों की साबित हुई और आपूर्ति श्रृंखला की नाजुकता खुलकर सामने आ गई।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का प्रारंभ 2016 में धुएँ से मुक्ति के एक आकर्षक और मानवीय स्वप्न के साथ हुआ था। लकड़ी और कोयले के चूल्हों से उत्पन्न स्वास्थ्य संकट को कम करने के उद्देश्य से गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। योजना

सबसे गंभीर प्रभाव समुद्री प्रदूषण के रूप में सामने आया है। फारस की खाड़ी, जो विश्व के 20% तेल और गैस निर्यात का मार्ग है, अब तेल रिसाव का शिकार बन गई है। मार्च 2026 तक कम से कम 12 तेल टैंकर क्षतिग्रस्त या आग की चपेट में आए, ओमान, बहरीन और यूएई के पास इन टैंकरों पर झोन हमलों से आग लगी और तेल रिसाव हुआ उग्रद्ध (Conflict and Observatory) के अनुसार, इन घटनाओं से तेल रिसाव का खतरा बहुत बढ़ गया है।

खाड़ी का नाजुक पारिस्थितिक तंत्र—कोरल रीफ्स, मैंग्रोव वन और सीग्रास मीडोज—

संपादकीय

सामाजिक पहुंच: स्कूल गेट से परे

प्रदान करती है जिसमें उस ज्ञान को लागू और विस्तारित किया जाता है। इसमें स्थानीय खेल टीम में शामिल होने और ग्रीष्मकालीन शिविरों में भाग लेने से लेकर विश्वसनीय परिवहन और सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों तक सब कुछ शामिल है। स्कूल के बाद के घंटों का छिपा हुआ पाठ्यक्रम स्कूल के दिन के अंत से लेकर माता-पिता के काम से लौटने तक का समय एक महत्वपूर्ण समय होता है। कुछ छात्रों के लिए, यह समय समृद्ध गतिविधियों से भरा होता है—संगीत पाठ, खेल अभ्यास, स्काउटिंग या कोडिंग क्लब। अन्य लोगों के लिए, इसमें पर्यवेक्षण रहित समय, छोटे भाई-बहनों की देखभाल की जिम्मेदारियां, या वित्तीय या भौगोलिक बाधाओं के कारण विकल्पों का अभाव शामिल हो सकता है। इन घंटों को किस प्रकार बिताया जाता है, इसमें असमानता एक 'छिपा हुआ पाठ्यक्रम' पैदा करती है उच्च सामाजिक पहुंच वाले छात्र महत्वपूर्ण जीवन कौशल विकसित करते हैं, जो हमेशा कक्षा में नहीं सिखाए जाते हैं सामाजिक पूंजी: अपने निकटतम परिवार से बाहर के साथियों और वयस्कों के साथ नेटवर्क बनाना, जिससे मार्गदर्शन के अवसर, इंटरनशिप और भविष्य में नौकरी मिल सकती है। सॉफ्ट स्किल्स: संगठित गतिविधियों के माध्यम से टीमवर्क, नेतृत्व, बातचीत और समय प्रबंधन सीखना। आत्मविश्वास और पहचान: रुचियों

का पता लगाना और प्रतिभाओं को खोज करना, जो आत्म-सम्मान और अपनेपन को भावना पैदा करता है।

जब हम सामाजिक पहुंच को नजर अंदाज करते हैं, तो अनजाने में हमारी उपलब्धि का अंतर बढ़ जाता है। एक छात्र जो शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट है, लेकिन जिसके पास पेशेवर दुनिया में आगे बढ़ने के लिए सामाजिक कौशल या नेटवर्क का अभाव है, वह अपने आप को कम ग्रेड वाले लेकिन अपने सामाजिक पूंजी वाले साथी की तुलना में नुकसानदेह पा सकता है। सामाजिक पहुंच में बाधाएं समान सामाजिक पहुंच प्राप्त करना एक जटिल चुनौती है, क्योंकि कई आपस में जुड़ी बाधाएं अक्सर रास्ते में आ जाती हैं शिक्षा को लंबे समय से महान समीकरण, उज्ज्वल और अधिक न्यायसंगत भविष्य का द्वार माना जाता रहा है। हम अत्याधुनिक कक्षाओं के निर्माण, पाठ्यक्रमों को अद्यतन करने तथा शिक्षकों को प्रशिक्षित करने में संसाधन लगाते हैं। फिर भी, कई छात्रों के लिए सफलता की असली बाधा कक्षा के अंदर नहीं होती है - यह उसके बाहर ही रहती है। सच्ची शैक्षिक समानता के लिए सामाजिक पहुंच, समुदाय में छात्रों की पूर्ण भागीदारी की क्षमता, संसाधन और स्कूल गेट से परे मौजूद अवसरों पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है। अदृश्य बाधाएं जब हम शिक्षा तक पहुंच के बारे में

बात करते हैं, तो हम अक्सर शैक्षणिक संसाधनों पर ही ध्यान देते हैं: पाठ्यपुस्तकें, प्रौद्योगिकी और योग्य प्रशिक्षक। यद्यपि ये निस्संदेह महत्वपूर्ण हैं, लेकिन ये समीकरण का केवल आधा हिस्सा ही दर्शाते हैं। सामाजिक पहुंच बा' पारिस्थितिकी तंत्र पर ध्यान केंद्रित करती है जो छात्र की सोखने और फलने-फूलने की क्षमता का समर्थन या बाधा डालती है। उन कारकों पर विचार करें जो किसी छात्र के जीवन को उस समय निर्धारित करते हैं जब वह स्कूल से बाहर निकलता है सुरक्षित और विश्वसनीय परिवहन: यदि छात्र के पास घर पहुंचने का कोई सुरक्षित रास्ता नहीं है तो वह स्कूल के बाद ट्यूशन में भाग नहीं ले सकता, खेलकूद में भाग नहीं दे सकता, या इंटरनशिप नहीं कर सकता। पोषण संबंधी सुरक्षा: शिक्षा दोपहर 3 बजे बंद नहीं होती, लेकिन कई लोगों के लिए स्वस्थ भोजन तक विश्वसनीय पहुंच समान हो जाती है। भूख एकाग्रता और संज्ञानात्मक विकास का एक भयंकर प्रतिद्वंद्वी है। डिजिटल कनेक्टिविटी: ऐसी दुनिया में जहां होमवर्क, शोध और संचार ऑनलाइन हो गया है, विश्वसनीय घरेलू इंटरनेट की कमी से 'होमवर्क गैप' पैदा होता है जो प्रतिदिन बढ़ता जाता है। सामुदायिक मार्गदर्शन: परिवार इकाई के बाहर पेशेवर नेटवर्क, स्थानीय नेताओं और सकारात्मक रोल मॉडल तक पहुंच छात्र के विश्वदृष्टिकोण और महत्वाकांक्षा को

का विस्तार तीन चरणों में हुआ—प्रथम चरण में 5 करोड़, द्वितीय में 6 करोड़ और तृतीय में अतिरिक्त लक्ष्य निर्धारित किए गए। परिणामस्वरूप एलपीजी कवरेज 95 प्रतिशत से अधिक हो गया, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। किंतु हालिया संकट ने रिफिल दरों की वास्तविकता को उजागर कर दिया। औसतन लाभार्थी प्रति वर्ष केवल 3 से 4 बार ही सिलेंडर रिफिल कराते हैं, जबकि निरंतर उपयोग के लिए कम से कम 8 से 10 रिफिल आवश्यक होते हैं। सब्सिडी के बावजूद 600 से 800

रुपये की लागत दैनिक मजदूरी पर निर्भर परिवारों के लिए भारी पड़ती है। परिणामस्वरूप, अनेक परिवार पुनः पारंपरिक ईंधनों की ओर लौट जाते हैं। सिलेंडर घरों में 'आपातकालीन विकल्प' बनकर रह जाता है, न कि नियमित उपयोग का साधन।

एलपीजी संकट ने केवल मांग और कीमत का ही प्रश्न नहीं उठाया, बल्कि भारत की आपूर्ति श्रृंखला की नाजुकता को भी उजागर कर दिया। घरेलू उत्पादन मांग के मुकाबले कम है, भंडारण क्षमता सीमित है और आयात

बहुत अधिक प्रभावित करती है। जब ये तत्व गायब हो जाते हैं, तो स्कूल का द्वार उन लोगों के बीच एक कठोर सीमा बन जाता है जो अपनी शिक्षा का लाभ उठा सकते हैं और जो पीछे रह गए हैं। अंतर को पाटना: एक समग्र दृष्टिकोण स्कूल के द्वार से आगे बढ़ने के लिए, हमें अपने दृष्टिकोण को विशुद्ध रूप से शैक्षणिक मॉडल से समग्र, समुदाय-आधारित दृष्टिकोण की ओर स्थानांतरित करना होगा। सामाजिक पहुंच अंतर को उस समय के लिए स्कूलों, स्थानीय सरकारों, व्यवसायों और नागरिक संगठनों के बीच जानबूझकर सहयोग का आवश्यकता है। 1। एकीकृत छात्र सहायता स्कूल सामुदायिक संसाधनों के केंद्र के रूप में कार्य करने के लिए विशिष्ट स्थिति में हैं। 'सामुदायिक स्कूल' मॉडल को अपनाकर, परिसर स्वास्थ्य क्लीनिक, खाद्य भंडार और पारिवारिक कानूनी सहायता की मेजबानी कर सकते हैं। जब सेवाएं केंद्रीकृत हो जाती हैं, जहां छात्र पहले से ही अपना दिन बिताते हैं, तो उन तक पहुंचने में आने वाली बाधाएं बहुत कम हो जाती हैं। 2। 'शिक्षण दिवस' की परिभाषा का विस्तार सीखना केवल घंटी बजाने तक ही सीमित नहीं होना चाहिए। उच्च गुणवत्ता वाले स्कूल के बाद के कार्यक्रम, ग्रीष्मकालीन संवर्धन शिविर और स्थानीय इंटरनशिप के अवसर यह सुनिश्चित करते हैं कि कम संसाधन वाली पृष्ठभूमि के छात्रों को उनके

बाधित होते ही वितरण तंत्र चरमरा जाता है। पूर्वोत्तर राज्यों में भौगोलिक चुनौतियों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया। यह स्पष्ट हो गया कि ऊर्जा सुरक्षा के बिना कल्याणकारी योजनाएं केवल कागजी उपलब्धियां बनकर रह जाती हैं।

डिजिटल प्रणालियों ने पारदर्शिता तो बढ़ाई है, किंतु डिजिटल विभाजन ने बड़ी संख्या में लोगों को बाहर भी कर दिया है। ग्रामीण भारत का एक बड़ा हिस्सा अभी भी इंटरनेट और तकनीकी संसाधनों से वंचित है, जिससे रिफिल बुकिंग और शिकायत निवारण जैसी प्रक्रियाएं उनके लिए कठिन बनी रहती हैं। इस प्रकार, जो व्यवस्था समावेशन के लिए बनाई गई थी, वही कई बार बहिष्करण का कारण बन जाती है।

यह समस्या केवल उज्ज्वला योजना तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की व्यापक कल्याणकारी संरचना की कमजोरी को भी उजागर करती है। देश में अनेक योजनाएं सुभेद्य वर्गों को लक्षित करती हैं, किंतु जागरूकता के अभाव, दस्तावेजी जटिलताओं, भ्रष्टाचार और निगरानी की कमी के कारण उनका प्रभाव सीमित रह जाता है। अधिकांश योजनाएं अल्पकालिक राहत तक सीमित रहती हैं और दीर्घकालिक सशक्तीकरण पर पर्याप्त ध्यान नहीं देती। परिणामस्वरूप, भारत की

रूपये की लागत दैनिक मजदूरी पर निर्भर परिवारों के लिए भारी पड़ती है। परिणामस्वरूप, अनेक परिवार पुनः पारंपरिक ईंधनों की ओर लौट जाते हैं। सिलेंडर घरों में 'आपातकालीन विकल्प' बनकर रह जाता है, न कि नियमित उपयोग का साधन।

एलपीजी संकट ने केवल मांग और कीमत का ही प्रश्न नहीं उठाया, बल्कि भारत की आपूर्ति श्रृंखला की नाजुकता को भी उजागर कर दिया। घरेलू उत्पादन मांग के मुकाबले कम है, भंडारण क्षमता सीमित है और आयात

प्रोमेटिक हाइड्रोकार्बन (PAHs) जैसे विषैले पदार्थ हवा में फैल गए। ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी और स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों को घरों में रहने की सलाह दी। नागरिकों में सिरदर्द, आंखों और गले में जलन, सांस लेने में तकलीफ की शिकायतें आईं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के प्रमुख ट्रेड्रेस एडनॉम ग्रेब्रेयेसस ने चेतावनी दी कि पेट्रोलियम सुविधाओं को नुकसान से हवा, पानी और भोजन प्रदूषित हो रहा है, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों के लिए। डॉ. अक्षय देवरास (यूनियर्सिटी ऑफ रीडिंग) के अनुसार, तेल की आग से बने सल्फर और नाइट्रोजन यौगिक बारिश में घुलकर अम्लीय वर्षा पैदा करते हैं, जो फेफड़ों, त्वचा और यहां तक कि डीएनए को नुकसान पहुंचाते हैं।

कतर के रास लाल्फामान और सऊदी के रास तुफ्रा रिफाइनरी पर हमलों से भी धुआं का गुबार उठा, जो नीचे की ओर हवा के साथ फैला। ये प्रदूषक ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ावा देते हैं, क्योंकि उड2 और मीथेन उत्सर्जन बढ़ा है।

मिट्टी और जल स्रोतों पर प्रभाव भी विनाशकारी है। तेहरान के आसपास तेल रिसाव से सड़कें, मिट्टी और पानी की आपूर्ति दूषित

वेलकम इंडिया 02

अधिक संपन्न साथियों के समान समृद्ध अनुभव प्राप्त हों। 3। स्थानीय साझेदारियों को संगठित करना सामाजिक पूंजी की कुंजी व्यवसायों और स्थानीय नेताओं के पास है। मार्गदर्शन कार्यक्रम, जो छात्रों को स्थानीय पेशेवरों के साथ जोड़ते हैं, कैरियर पथों को स्पष्ट कर सकते हैं और ऐसे नेटवर्क बना सकते हैं जो बाद में अमूल्य साबित होते हैं। इसके अलावा, स्थानीय पारामन प्राधिकारी छात्रों के लिए नि:शुल्क या सब्सिडी वाले पारगमन पास उपलब्ध कराने हेतु जिलों के साथ साझेदारी कर सकते हैं। सामाजिक पहुंच का पढ़कसामाजिक पहुंच में निवेश करना दान का मामला नहीं है; यह समुदाय के विकास का मामला है। जब हम यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी विद्यार्थियों के पास स्कूल से बाहर भी आगे बढ़ने के लिए आवश्यक उपकरण हों, तो हमें निवेश पर सीधा लाभ होता है तल - रेखा शिक्षा अकादमिक तथ्यों के संचरण तक नहीं रुक सकती। यह हमारा लक्ष्य वास्तव में न्यायसंगत समाज का निर्माण करना है, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सामाजिक द्वार भी स्कूल के द्वारों की तरह खुले रहें। जानबूझकर सामाजिक पूंजी का निर्माण करें और पेशेवर दुनिया के अलिखित नियमों को सिखाकर, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि प्रत्येक छात्र को न केवल कक्षा में, बल्कि जीवन में भी आगे बढ़ने का अवसर मिले।

अधिक संपन्न साथियों के समान समृद्ध अनुभव प्राप्त हों। 3। स्थानीय साझेदारियों को संगठित करना सामाजिक पूंजी की कुंजी व्यवसायों और स्थानीय नेताओं के पास है। मार्गदर्शन कार्यक्रम, जो छात्रों को स्थानीय पेशेवरों के साथ जोड़ते हैं, कैरियर पथों को स्पष्ट कर सकते हैं और ऐसे नेटवर्क बना सकते हैं जो बाद में अमूल्य साबित होते हैं। इसके अलावा, स्थानीय पारामन प्राधिकारी छात्रों के लिए नि:शुल्क या सब्सिडी वाले पारगमन पास उपलब्ध कराने हेतु जिलों के साथ साझेदारी कर सकते हैं। सामाजिक पहुंच का पढ़कसामाजिक पहुंच में निवेश करना दान का मामला नहीं है; यह समुदाय के विकास का मामला है। जब हम यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी विद्यार्थियों के पास स्कूल से बाहर भी आगे बढ़ने के लिए आवश्यक उपकरण हों, तो हमें निवेश पर सीधा लाभ होता है तल - रेखा शिक्षा अकादमिक तथ्यों के संचरण तक नहीं रुक सकती। यह हमारा लक्ष्य वास्तव में न्यायसंगत समाज का निर्माण करना है, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सामाजिक द्वार भी स्कूल के द्वारों की तरह खुले रहें। जानबूझकर सामाजिक पूंजी का निर्माण करें और पेशेवर दुनिया के अलिखित नियमों को सिखाकर, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि प्रत्येक छात्र को न केवल कक्षा में, बल्कि जीवन में भी आगे बढ़ने का अवसर मिले।

उज्ज्वला का उजाला या आपूर्ति का अंधेरा?

बाधित होते ही वितरण तंत्र चरमरा जाता है। पूर्वोत्तर राज्यों में भौगोलिक चुनौतियों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया। यह स्पष्ट हो गया कि ऊर्जा सुरक्षा के बिना कल्याणकारी योजनाएं केवल कागजी उपलब्धियां बनकर रह जाती हैं।

डिजिटल प्रणालियों ने पारदर्शिता तो बढ़ाई है, किंतु डिजिटल विभाजन ने बड़ी संख्या में लोगों को बाहर भी कर दिया है। ग्रामीण भारत का एक बड़ा हिस्सा अभी भी इंटरनेट और तकनीकी संसाधनों से वंचित है, जिससे रिफिल बुकिंग और शिकायत निवारण जैसी प्रक्रियाएं उनके लिए कठिन बनी रहती हैं। इस प्रकार, जो व्यवस्था समावेशन के लिए बनाई गई थी, वही कई बार बहिष्करण का कारण बन जाती है।

यह समस्या केवल उज्ज्वला योजना तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की व्यापक कल्याणकारी संरचना की कमजोरी को भी उजागर कर दिया है। देश में अनेक योजनाएं सुभेद्य वर्गों को लक्षित करती हैं, किंतु जागरूकता के अभाव, दस्तावेजी जटिलताओं, भ्रष्टाचार और निगरानी की कमी के कारण उनका प्रभाव सीमित रह जाता है। अधिकांश योजनाएं अल्पकालिक राहत तक सीमित रहती हैं और दीर्घकालिक सशक्तीकरण पर पर्याप्त ध्यान नहीं देती। परिणामस्वरूप, भारत की

कल्याणकारी योजनाएं अक्सर कागज पर 'सर्वव्यापी' और जमीन पर 'चयनात्मक' बन जाती हैं। संकट के दौरान सरकार द्वारा उठाए गए कदम तत्काल राहत के लिए आवश्यक थे, किंतु वे स्थायी समाधान प्रस्तुत नहीं करते। यदि सुभेदा आबादी के लिए वास्तविक सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, तो आयात निर्भरता को कम कर घरेलू उत्पादन बढ़ाना होगा, भंडारण क्षमता का विस्तार करना होगा और वितरण तंत्र को मजबूत बनाना होगा। साथ ही, डिजिटल समावेशन सुनिश्चित करते हुए वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों—जैसे बायोगैस और सौर ऊर्जा—को बढ़ावा देना होगा। अंततः, एलपीजी संकट यह स्पष्ट करता है कि कल्याण केवल वितरण का प्रश्न नहीं, बल्कि सतत और समान पहुंच सुनिश्चित करने की प्रक्रिया है। उज्ज्वला योजना ने लाखों जीवनो को प्रभावित किया है, किंतु इस संकट ने उसकी सीमाओं को भी उजागर कर दिया है। सुभेद्य वर्गों का वास्तविक सशक्तीकरण तभी संभव है, जब योजनाओं की संरचना समावेशी, लचीली और उत्तरदायी हो। अन्यथा, ये पहलें केवल कागजी उपलब्धियों तक सीमित रह जाएंगी। भारत की कल्याण यात्रा को अब विस्तार के साथ-साथ गहराई और स्थायित्व की आवश्यकता है, ताकि अमला संकट सबसे कमजोर वर्ग को सबसे अधिक प्रभावित न कर सके।

खाड़ी में तेल गैस नहीं बल्कि हम और आप जल रहे हैं



रामें शान चौहान

लेखक

ईरान-इजरायल युद्ध में तेल टैंकरों और ऊर्जा केंद्रों पर बमबारी से पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव फरवरी 2026 से शुरू हुए अमेरिका-इजरायल बनाम ईरान युद्ध ने मध्य पूर्व को न केवल सैन्य और आर्थिक संकट में डाला है, बल्कि पर्यावरणीय आपदा की ओर भी धकेल दिया है। इस संघर्ष में दोनों पक्षों ने जानबूझकर ऊर्जा दांचों को निशाना बनाया है। अमेरिकी हमलों में ईरान के तेल डिपो, रिफाइनरी, गैस फील्ड्स (जैसे साउथ पार्स) और ईंधन भंडारण (जैसे साउथ पार्स) पर हमले हुए, जबकि ईरान ने जवाबी कार्रवाई में फारस की खाड़ी में तेल टैंकरों, सऊदी, कतर, यूएई और ओमान के ऊर्जा केंद्रों पर झोन-मिसाइल हमले किए। होर्मुज स्ट्रेट में यातायात 80-

97% तक घट गया, सैकड़ों टैंकर फंस गए और कई क्षतिग्रस्त हो गए। इन हमलों से तेल रिसाव, आग और विषैले धुएं ने हवा, पानी, मिट्टी और समुद्री पारिस्थिति को बुरी तरह प्रभावित किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह 1991 के गल्फ वॉर की याद दिलाता है, जहां जलते तेल कुओं ने पूरे क्षेत्र को काला कर दिया था। इस युद्ध में पर्यावरणीय क्षति दीर्घकालिक और बहुआयामी है, जो न केवल स्थानीय समुदायों बल्कि वैश्विक जलवायु को भी प्रभावित कर रही है। सबसे गंभीर प्रभाव समुद्री प्रदूषण के रूप में सामने आया है। फारस की खाड़ी, जो विश्व के 20% तेल और गैस निर्यात का मार्ग है, अब तेल रिसाव का शिकार बन गई है। मार्च 2026 तक कम से कम 12 तेल टैंकर क्षतिग्रस्त या आग की चपेट में आए, ओमान, बहरीन और यूएई के पास इन टैंकरों पर झोन हमलों से आग लगी और तेल रिसाव हुआ उग्रद्ध (Conflict and Observatory) के अनुसार, इन घटनाओं से तेल रिसाव का खतरा बहुत बढ़ गया है।

खाड़ी का नाजुक पारिस्थितिक तंत्र—कोरल रीफ्स, मैंग्रोव वन और सीग्रास मीडोज—

तेल की परत से ढक सकता है। 1980 के दशक के ईरान-इराक युद्ध और 1991 के गल्फ वॉर में तेल रिसाव ने हॉक्सबिल सी स्टर्टल जैसी प्रजातियों को लगभग विलुप्त कर दिया था। अब भी मछलियां, पक्षी, डॉल्फिन और समुद्री जीव विषैले हाइड्रोकार्बन (PAHs) से प्रभावित हो रहे हैं। रिसाव से पानी में ऑक्सीजन कम होने से मछली पालन और मछुआरों की आजीविका खतरे में है। ईरानी नौसेना द्वारा होर्मुज में हमलों से 150 से अधिक टैंकर फंस गए, जिससे रिसाव की संभावना और बढ़ गई। Greenpeace की चेतावनी के अनुसार, एक बड़ा रिसाव खाड़ी के पूरे इकोसिस्टम को दशकों तक ठीक नहीं होने देगा। वायु प्रदूषण दूसरा बड़ा संकट है। तेहरान के आसपास शाहरान और शहर-ए ईंधन डिपो पर इजरायली हमलों से विशाल आग लगी। 8 मार्च 2026 को इन आगों से काला धुआं आसमान छा गया, जिसे 'ब्लैक रेन' या तेजाबी बारिश कहा गया।

सल्फर डाइऑक्साइड (SO2), नाइट्रोजन ऑक्साइड (NOx), पार्टिकुलेट मैटर (PM), कार्बन मोनोऑक्साइड (CO) और पॉलीसाइक्लिक

एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (PAHs) जैसे विषैले पदार्थ हवा में फैल गए। ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी और स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों को घरों में रहने की सलाह दी। नागरिकों में सिरदर्द, आंखों और गले में जलन, सांस लेने में तकलीफ की शिकायतें आईं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के प्रमुख ट्रेड्रेस एडनॉम ग्रेब्रेयेसस ने चेतावनी दी कि पेट्रोलियम सुविधाओं को नुकसान से हवा, पानी और भोजन प्रदूषित हो रहा है, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों के लिए। डॉ. अक्षय देवरास (यूनियर्सिटी ऑफ रीडिंग) के अनुसार, तेल की आग से बने सल्फर और नाइट्रोजन यौगिक बारिश में घुलकर अम्लीय वर्षा पैदा करते हैं, जो फेफड़ों, त्वचा और यहां तक कि डीएनए को नुकसान पहुंचाते हैं।

कतर के रास लाल्फामान और सऊदी के रास तुफ्रा रिफाइनरी पर हमलों से भी धुआं का गुबार उठा, जो नीचे की ओर हवा के साथ फैला। ये प्रदूषक ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ावा देते हैं, क्योंकि उड2 और मीथेन उत्सर्जन बढ़ा है। मिट्टी और जल स्रोतों पर प्रभाव भी विनाशकारी है। तेहरान के आसपास तेल रिसाव से सड़कें, मिट्टी और पानी की आपूर्ति दूषित

हो गई। प्रो. एंड्रिया सेला (यूनियर्सिटी कॉलेज लंदन) के अनुसार, विस्फोटों से निकले भारी धातु, सुगंधित यौगिक और कच्चा तेल मिट्टी में घुलकर फसलें, पेयजल और भोजन श्रृंखला को प्रभावित कर रहे हैं। खाड़ी क्षेत्र में रिसाव से भूजल और नदियां प्रभावित हो रही हैं। ये प्रदूषक कृषि को नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिससे खाद्य सुरक्षा संकट पैदा हो सकता है। लंबे समय में कैंसर, श्वसन रोग और तंत्रिका संबंधी समस्याएं बढ़ने को आशंका है। जैव विविधता पर असर गंभीर है।

फारस की खाड़ी का समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पहले से ही तेल उद्योग से त्रस्त है। अब युद्ध ने इसे और बदतर बना दिया। मैंग्रोव और कोरल रीफ्स तेल की चपट से मर सकते हैं, जो मछली और पक्षियों के लिए आश्रय हैं। 1991 के गल्फ वॉर में तेल रिसाव ने हजारों पक्षियों और समुद्री जीवों को मार डाला था।

अब भी उग्रद्धर ने 120 पर्यावरणीय घटनाओं की पहचान की है, जिनमें 92 उच्च जोखिम वाली हैं। सैन्य ठिकानों पर हमलों से निकले धुएँ में डाइऑक्सिन और प्सुरान जैसे विषैले पदार्थ हैं, जो खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर रहे हैं। दीर्घकालिक प्रभाव वैश्विक स्तर पर भी महसूस होंगे। तेल उत्पादन

घटने से अल्ट्रावियॉलेट उत्सर्जन कम हो सकता है, लेकिन ऊर्जा कीमतों में उछाल से कोयला या अन्य जीवाश्म ईंधन का उपयोग बढ़ सकता है। वठ ने 'गंभीर पर्यावरणीय चिंताओं' की बात कही है। स्वास्थ्य जोखिम, मिट्टी की उर्वरता ह्रास और समुद्री जीवन का विनाश दशकों तक रहेगा। युद्ध के कारण निगरानी मुश्किल हो गई है, जिससे क्षति का आकलन और कठिन है। निष्कर्ष में, ईरान-इजरायल युद्ध की ऊर्जा केंद्रों पर बमबारी ने पर्यावरण को अतृप्णीय क्षति पहुंचाई है। तेल टैंकरों के जलने से समुद्री प्रदूषण, रिफाइनरी आग से अम्लीय बारिश और विषैला धुआं—ये सब मिलकर हवा, पानी, मिट्टी और जीवन को तबाह कर रहे हैं। 1991 के गल्फ वॉर की तरह यह युद्ध भी पर्यावरणीय आपदा साबित हो रहा है।

विशेषज्ञ जैसे डग विवर (CEOBS) चेताते हैं कि सिविलियन सुविधाओं पर हमले जोखिम बढ़ा रहे हैं। शांति बहाली और पर्यावरणीय निगरानी जरूरी है, वरना मध्य पूर्व का नाजुक इ

जिला अस्पताल की अत्यवस्थाओं के खिलाफ संघर्ष वाहिनी ने किया प्रदर्शन सीएमएस को सौंपा ज्ञापन,

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। जिला अस्पताल में बंद पड़े शौचालयों को खोलने व बाहर से रक्त व अल्ट्रासाउंड कराने पर संघर्ष वाहिनी ने नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने अव्यवस्थाओं को दूर किए जाने व अन्य मांगों को लेकर जिला अस्पताल में प्रदर्शन किया तथा सीएमएस को ज्ञापन सौंपा।

बागेश्वर संघर्ष वाहिनी के जिलाध्यक्ष कवि जोशी के नेतृत्व में कार्यकर्ता जिला अस्पताल गए। वहां उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं को परखा तथा व्यवस्थाओं के खिलाफ नाराजगी व्यक्त करते हुए चिकित्सा अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा जिला अस्पताल को आधुनिक सुविधाओं से युक्त करने के काफी दावे



किए गए मगर धरातल पर आधुनिक व्यवस्थाए केवल कोरे दावे साबित हो रहे हैं, अस्पताल में मरीजों को जांच हेतु निजी पैथोलॉजी लैब और अस्पताल में मरीजों को रेडियोलॉजी जांच हेतु भी अधिकतर मरीज निजी जांच केंद्र में महंगे दामों में जांच कराने को मजबूर हो रहे हैं। साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा जो निशुल्क जांच हेतु चंदन डायग्नोस्टिक को जिम्मेदारी

सौंपी गई है, वहां बिना पैथोलॉजिस्ट के ही मनमानी जांच रिपोर्ट बनाई जा रही है। ऐसे में मरीजों को कई बार निजी पैथोलॉजी से मजबूरन जांच करवानी पड़ रही है। कहा कि अस्पताल में छह शौचालय बंद पड़े हैं।

चिकित्सक मरीजों के रक्त जांच व दवाइयों खरीदने के लिए बाहर से पर्चा लिख रहे हैं। दिव्यांग व वरिष्ठ नागरिकों के लिए पृथक से पर्चा काउंटर नहीं है।

उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक की कार्यशैली की प्रशंसा की मगर अस्पताल में आवश्यक सुविधाओं की कमी के चलते मरीजों को सुविधानुसार उचित सेवाएं नहीं मिलने पर सवालिया निशान उठाए और शासन स्तर से उचित व्यवस्थाएं बनाने की मांग की। उन्होंने मरीजों को उचित व्यवस्था दिलाने व तीमरदार के लिए स्टूल की व्यवस्था किए जाने व सिटी स्कैन

तकनीशियन व अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती किए जाने की मांग की। चेतावनी दी कि यदि मांग नहीं मानी गई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

इस दौरान अंकुर उपाध्याय, नीरज मनवाल, महेश नगरकोटी, विनोद थापा, नवीन चौबे, विरेंद्र नेगी आदि उपस्थित थे। वहीं चिकित्सा अधीक्षक डॉ तपन शर्मा ने बताया कि अस्पताल में मरीजों को विभाग द्वारा दी जाने वाली सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। अस्पताल में चिकित्सकों की पर्याप्त उपलब्धता और अन्य सभी व्यवस्थाओं को ठीक करने हेतु उच्चाधिकारियों को पत्राचार किया गया है। जल्द अस्पताल में क्षतिग्रस्त शौचालय के निर्माण हेतु बजट की मांग की गई है। जल्द सभी व्यवस्थाएं ठीक करा दी जाएंगी।

बांकेबिहारी आदर्श इण्टर कॉलेज पेलखू ने किया वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित, शील्ड व मैडल पाकर झूम उठे प्रतिभागी



वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। बांकेबिहारी आदर्श इण्टर कॉलेज पेलखू में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया जिस में कक्षाओं में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को उनका परीक्षा परिणाम के साथ परीक्षा का अंकपत्र और ट्रॉफी दी गई। छात्र छात्राओं को मुख्य अतिथि सहार चौकी प्रभारी भाई दीपक कुमार एवं पेलखू के प्रधान अनिल पाण्डेय एवं विद्यालय के प्रबंध निदेशक गोपाल प्रसाद और प्रधानाचार्य अशोक शर्मा,

उपप्रधानाचार्य मुकेश बाबू ने सयुक्त रूप से छात्र और छात्राओं को ट्रॉफी एवं अंक पत्र दिया गया तथा समस्त छात्रों को शुभकामनाएं प्रेषित की गई। इस अवसर पर भौतिकी प्रवक्ता रूपकिशोर सैनी, अंग्रेजी अध्यापक कमल सिंह, वरिष्ठ लिपिक श्यामसुंदर कौशिक, लक्ष्मण सिंह, विधि शर्मा, विनीताशर्मा, ममता मेडम, सपना एवं राखी गुर्जर, परिचारक ओमवीर सिंह, देवदत्त, ए सत्यभाम सिंह गुर्जर मौजूद रहे। संचालन अंग्रेजी प्रवक्ता करुणानिधि कौशिक ने किया।

शराब की दुकान हटाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर आमरण अनशन प्रारंभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

कपकोट। शामा से शराब की दुकान हटाए जाने समेत दस सूत्रीय मांगों को लेकर शामा के रामलीला मैदान में उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा के उपाध्यक्ष भूपेंद्र कोरंगा भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। पूर्व में शामा जिन सदस्य विजया कोरंगा के नेतृत्व में क्षेत्रीय लोगों और महिलाओं ने आंदोलन का विगुल फुंका था और क्षेत्र में शराब बंदी की मांग उठाई थी इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी आंदोलन जारी रहेगा।

पूर्व में आंदोलन और प्रशासन को खुली चुनौती देते हुए एन वित्तीय वर्ष से शामा स्थित शराब की दुकान को बंद नहीं किए जाने सहित अन्य मांगों को लेकर शामा की जिन सदस्य विजया कोरंगा व स्वाभिमान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र कोरंगा ने शराब की दुकान के समीप एक अप्रैल से आंदोलन का ऐलान किया था।

जिसके बाद अब आमरण अनशन शुरू कर दिया गया है। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि सरकार शराब की दुकान तो खोल रही है परंतु



यहां पर स्वास्थ्य व शिक्षा सुविधाएं तक नहीं हैं।

शिक्षक समय पर विद्यालय नहीं पहुंच रहे हैं। चिकित्सक व अन्य स्टाफ भी मरीजों के लिए हमेशा उपलब्ध नहीं रहते हैं तथा सीएमओ कार्यालय इस पर ध्यान नहीं देता है। जिला पंचायत सदस्य विजया कोरंगा ने कहा कि जनता द्वारा निर्णय लिया गया कि शराब की दुकान को हटाने के साथ 9 अन्य मांगें भी जोड़ी गई हैं। अब ये लड़ाई 10 सूत्रीय मांगों को लेकर निर्णायक लड़ाई लड़ी जाएगी। पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य और शामा ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नरेंद्र

कोरंगा ने कहा कि यह लड़ाई मजबूती से लड़ी जाएगी और जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी तब तक भूख हड़ताल जारी रहेगी।

क्षेत्र पंचायत सदस्य गोगिना पुष्पा देवी और क्षेत्र पंचायत सदस्य शामा शांति देवी ने कहा कि मांग न माने जाने पर आंदोलन उग्र किया जाएगा। आज धरने में महिला मंगल दल अध्यक्ष खट्टी देवी, पूर्व प्रधान खड़क सिंह कोरंगा, मंजू, छात्रा उपाध्यक्ष हल्द्वानी ज्योति दानू, महिपाल सिंह कोरंगा सहित अन्य लोगों द्वारा समर्थन दिया गया।

गोवर्धन में गहराया गैस संकट, एजेंसी पर कालाबाजारी के आरोप, उपभोक्ताओं की लगी भीड़



वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। क्षेत्र में रसोई गैस की भारी किल्लत से स्थानीय लोग परेशान हैं। लोगों का आरोप है कि उन्हें गैस सिलेंडर पाने के लिए आज भी दर-दर भटकना पड़ रहा है। ताजा मामला गिरिराज गैस एजेंसी का सामने आया है, जहां उपभोक्ताओं ने गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं।

स्थानीय निवासी आकाश, नारायणदास, सुष्मा देवी सहित अन्य लोगों का कहना है कि एजेंसी पर गैस की कालाबाजारी की जा रही है। उनका आरोप है कि बुकिंग कराने

और पैसे जमा करने के बावजूद भी समय पर गैस सिलेंडर नहीं मिल रहा है। जब उपभोक्ता एजेंसी पर सिलेंडर लेने पहुंचते हैं, तो वहां मौजूद कर्मचारी और संचालक उनके साथ अभद्र व्यवहार करते हैं और कई बार धक्का देकर भगा दिया जाता है। इस मामले में जब गैस एजेंसी संचालक से बात करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने इस मुद्दे पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके और गैस वितरण व्यवस्था में सुधार हो सके।

आगरा: वित्तीय वर्ष 2026 के अंतिम दिव्न डीएम ने ट्रेजरी पहुंचकर कराई वित्तीय समापन प्रक्रिया पूरी

मथुरा खान

आगरा (वेलकम इंडिया)। आगरा में वित्तीय वर्ष 2026 के अंतिम दिन जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने कलेक्ट्रेट स्थित कोषागार पहुंचकर सभी विभागों के लंबित वित्तीय कार्यों की समीक्षा की और समापन औपचारिकताओं को समय से पूर्ण कराया।

जिलाधिकारी ने स्वयं ट्रेजरी में मौजूद रहकर विभिन्न विभागों के कोषागार से जुड़े लेनदेन, लंबित भुगतान और वित्तीय क्लॉसिंग प्रक्रियाओं की मॉनिटरिंग की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य वित्तीय नियमों के अनुरूप समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं।

इससे पूर्व भी जिलाधिकारी द्वारा सभी विभागध्यक्षों और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए थे कि लंबित बिलों का शीघ्र निस्तारण कर



उन्हें ट्रेजरी में प्रस्तुत किया जाए, ताकि वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पहले सभी भुगतान सुनिश्चित किए जा सकें।

मंगलवार को वर्ष के अंतिम दिन जिलाधिकारी ने ट्रेजरी पहुंचकर भुगतान प्रक्रियाओं, ट्रांजैक्शंस और अन्य आवश्यक औपचारिकताओं की समीक्षा करते हुए सुनिश्चित किया कि कोई भी बिल लंबित न रहे और

सभी विभागों का वित्तीय समापन सुचारु रूप से हो। गौरतलब है कि 31 मार्च को अवकाश होने के बावजूद कोषागार और बैंक खुले रखे गए, जिससे भुगतान प्रक्रिया बाधित न हो और सभी जरूरी कार्य समय पर पूरे किए जा सकें। जिला प्रशासन की इस सक्रियता से वित्तीय वर्ष 2026 का समापन व्यवस्थित और सुचारु रूप से संपन्न हुआ।

श्री बालाजी हनुमान यज्ञ एवं शिव महापुराण का विशाल आयोजन कालपी में 2 अप्रैल से
(कालपी, वेलकम इंडिया)। धर्मनगरी कालपी में विख्यात मंदिर छगे गुरु आश्रम टरननगंज में श्री हनुमान महाराज जी के जन्मोत्सव के पावन पर्व पर चतुर्थ श्री बालाजी हनुमान यज्ञ एवं शिव महापुराण का विशाल आयोजन 2 अप्रैल से शुरू हो रहा है। मंदिर के पुजारी व आयोजक मनीषाचार्य महाराज के मुताबिक गणेश पूजन कलश यात्रा एवं कथा प्रारंभ चैत्र पूर्णिमा गुरुवार दिनांक 2 अप्रैल 2026 सुबह 8:00 बजे से पूजन हवन का आयोजन से 12:00 बजे तक तक चलेगा कथा शाम 3 बजे से हरि इच्छा तक प्रतिदिन होगी। इसी क्रम में बालाजी भजन संध्या वैशाख कृष्ण पंचमी मंगलवार दिनांक 7 अप्रैल 2026 रात्रि 8:00 बजे से होगी। कथा का समापन एवं पूर्ण आहुति कृष्ण सप्तमी गुरुवार दिनांक 9 अप्रैल 2026 तथा भंडारा वैशाख कृष्ण अष्टमी शुक्रवार दिनांक 10 अप्रैल 2026 दोपहर 12 बजे से किया जायेगा।

स्वर्णकार समाज को राजनीति में भी बनानी होगी पहचान

मथुरा (वेलकम इंडिया)। अखिल भारतीय स्वर्णकार जन जागृति एसोसिएशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुजीत वर्मा ने 3 अप्रैल को फरीदाबाद में होने जा रहे स्वर्णकार नेतृत्व संगम की सफलता हेतु मथुरा जनपद के विभिन्न कक्षाओं में स्वजातीय बंधुओं से संपर्क कर ज्यादा से ज्यादा लोगों से कार्यक्रम में भाग लेने को कहा। वहीं 11 अप्रैल को लखनऊ में होने वाले सोनार समागम महापंचायत को भी सफल बनाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुजीत वर्मा ने कहा कि स्वर्णकार समाज का इतिहास सदियों पुराना है। संतुष्ट से लेकर इस कलशुग में स्वर्ण समाज का एक महत्वपूर्ण स्थान है। हमें राजनीतिक क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनानी होगी। इसके लिए युवा स्वर्णकार बंधुओं को आगे आने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय स्तर पर सोनार समाज की आबादी 5 प्रतिशत से अधिक है, लेकिन हमें आज तक किसी भी राजनैतिक दलों ने अहमियत नहीं दिया है। राजनैतिक रूप से हम हाशिए पर आ गए हैं, इसलिए अब समय आ गया है कि सोनार समाज अपनी एकजुटता से अपना अधिकार प्राप्त करने में आगे आए।

बाटी में धूमधाम से निकाली गई नवनिर्मित संकट मोचन हनुमान मन्दिर की शोभायात्रा

डॉ. गोपाल चतुवेदी

बाटी (वेलकम इंडिया)। बहुलावन (बाटी) स्थित श्रीव्यास तपोवन (श्रीराम गौ सेवा कुंज) में श्रीराम मित्र मंडल (रजि.) के द्वारा नवनिर्मित संकट मोचन हनुमान मन्दिर में चल रहे चतुर्विंशसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तीसरे दिन सायं काल गाजे-बाजे के मध्य भव्य कलश-शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें देश-विदेश से आए सैकड़ों भक्तों-श्रद्धालुओं के साथ-साथ ग्राम वासियों ने भाग लिया। तत्पश्चात सरस भजन संध्या संपन्न हुई।

जिसमें श्रीराम लीला के व्यास एवं भजन गायकों द्वारा श्रीहनुमानजी की महिमा से ओत-प्रोत भजनों का संगीत की मुदुल स्वर लहरियों के मध्य गायन किया गया। इस अवसर पर डा.कुर-श्री कौशल किशोर राम मंदिर के महंत आचार्य रामदेव चतुवेदी महाराज, आचार्य कुंजकिशोर चतुवेदी (श्री गोपाल मिश्र, मथुरा), महोत्सव के चौथे दिन (02 अप्रैल) को प्रातः 07 बजे से वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य व्यास प्राण प्रतिष्ठा आयोजन होगा। तत्पश्चात 12 बजे से



महंत रमणेश्वरी दास, महंत प्रिया शरण महाराज एवं डॉ. राधाकांत शर्मा आदि की उपस्थिति विशेष रही।

महोत्सव के मीडिया प्रभारी 'यूपी रत्न' डॉ. गोपाल चतुवेदी ने बताया कि महोत्सव के चौथे दिन (02 अप्रैल) को प्रातः 07 बजे से वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य व्यास प्राण प्रतिष्ठा आयोजन होगा। तत्पश्चात 12 बजे से

श्रीहनुमानजी महाराज की प्रथम आरती के दिव्य दर्शन होंगे। इसके अलावा 12:30 बजे से महंत सेवा समिति के द्वारा मानस चंचरीक आचार्य कुशदेव चतुवेदी को महंताई की चादत ओढ़ाई जाएगी। तदोपरांत मध्याह्न 01 बजे से सन्त, ब्रजवासी, वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारे के साथ महोत्सव का समापन होगा।

संघर्ष से सफलता तक बृजेश अकोल बने नायब तहसीलदार, रच दी मिसाल

संतोष कुमार सिंह

आगरा (वेलकम इंडिया)। गुमट तख्त पहलवान देवरी रोड आगरा के रहने वाले बृजेश अकोल की कहानी संघर्ष, जिम्मेदारी और सपनों की एक प्रेरणादायक मिसाल है। एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे बृजेश, अपने पिता राकेश अकोल और माँ मंजू देवी के चार बच्चों में सबसे बड़े बेटे हैं और इसी वजह से बचपन से ही उनके कंधों पर परिवार की जिम्मेदारियाँ भी आ गई थीं।

साल 2023 में उन्होंने दूरदर्शन केंद्र में स्थित पत्र सूचना कार्यालय वाराणसी में एमटीएस के पद पर कर्मचारी सफलतापूर्वक शामिल हो गए। लेकिन उनके जीवन की पहली बड़ी उपलब्धि थी लेकिन



उनके सपनों की उड़ान इससे कहीं आगे तक थी।

नौकरी के साथ-साथ उन्होंने अपने लक्ष्य को कभी धुंधला नहीं होने दिया। कई कठिनाइयों, त्याग

और अनगिनत संघर्षों के बावजूद उन्होंने पढ़ाई जारी रखी। आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग 2024 की परीक्षा में 249वीं रैंक हासिल कर उन्होंने नायब तहसीलदार का प्रतिष्ठित पद प्राप्त किया। यह सिर्फ एक नौकरी नहीं, बल्कि उनके परिचार के सपनों का साकार होना था।

आज बृजेश की सफलता हर उस युवा के लिए प्रेरणा है जो सीमित साधनों के बावजूद बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का हौसला रखता है। उनकी कहानी यह सिखाती है कि अगर इरादे मजबूत हों, तो कोई भी मुश्किल रास्ता मंजिल तक पहुंचाने से रोक नहीं सकता।

जन्म मरण से मुक्ति के लिए पंचामृत अपनायें -शिवबली चौबे

बस्ती कांवरिया संघ चैरिटेबल ट्रस्ट आयोजित प्रभु संबंध अभियान व श्रीमद् भागवत कथा का तीसरे दिन

वेलकम इंडिया संवाददाता

बस्ती। बस्ती कांवरिया संघ चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन कथा व्यास शिवबली चौबे जी महाराज ने कहा कि जन्म मरण से मुक्त होने के लिए पंचामृत अपनाएं। पंचामृत की मुख्य पांच बातें जीवन में धारण करके जीवन को तनाव मुक्त बनाया जा सकता है। पहला हम भगवान के ही हैं। दूसरा हम जहां भी रहते हैं भगवान के ही दरबार में रहते हैं। तीसरा हम जो भी शुभ काम करते हैं भगवान का ही काम करते हैं। चौथा शुद्ध सात्विक जो भी पाते हैं भगवान का ही प्रसाद पाते हैं और पांचवा भगवान के दिए प्रसाद से भगवान के ही जनों की सेवा करते हैं।

भक्त प्रहलाद की कथा सुनाते हुए महाराज जी ने कहा कि दैत्यराज हिरण्यकश्यप ने ब्रह्माजी से ऐसा वरदान पाया था कि उसे न कोई नर-



नारी, न पशु-पक्षी, न दिन-रात, न अस्त्र-शस्त्र, न घर के अंदर-बाहर, न पृथ्वी-आकाश में मार सके। अहंकार में चूर उसने खुद को भगवान घोषित कर दिया और प्रजा को विष्णु पूजा करने से मना कर दिया। लेकिन उसका अपना पुत्र प्रहलाद भगवान विष्णु का परम भक्त निकला।

उन्होंने बताया कि हिरण्यकश्यप

ने प्रहलाद को विष्णु भक्ति से हटाने के लिए उसे जहर देने, हाथियों से कुचलवाने, सांपों के बीच छोड़ने और ऊंची चट्टान से फेंकने जैसे अनेक प्रयास किए।लेकिन भगवान विष्णु की कृपा से प्रहलाद हर बार बच गए। प्रहलाद को मारने के लिए, हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका को मदद ली, जिसे आग में न जलने

का वरदान प्राप्त था।होलिका प्रहलाद को गोद में लेकर चिता पर बैठ गई। भक्त प्रहलाद विष्णु के नाम का जाप करते रहे और आग में नहीं जले, लेकिन अहंकारी होलिका जलकर भस्म हो गई, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक बना। उन्होंने कहा कि हिरण्यकश्यप ने जब खंभे से प्रहलाद को मारने के लिए पूछा कि ‘कहाँ है

तेरा विष्णु?’ तो प्रहलाद ने कहा ‘विष्णु हर जगह हैं’। गुस्से में उसने खंभे पर प्रहार किया और भगवान विष्णु नरसिंह (आधा नर, आधा सिंह) रूप में प्रकट हुए। भगवान नरसिंह ने हिरण्यकश्यप का अंत कर दिया। आरती व प्रसाद वितरण के उपरांत तीसरे दिन की कथा का समापन हुआ। कथा के बीच-बीच में भजन गायक संजय जी के द्वारा कर्णप्रिय भजन प्रस्तुत किए गए।इस दौरान विवेक गिरोत्रा, संजय द्विवेदी, सुनील कुमार गुप्ता, गौरव साहू, रोहन गुप्ता, विजय गुप्ता, अनिल जायसवाल, दुर्गा प्रसाद, सतीश सोनकर, राम कृष्ण सोनी, तारक जायसवाल, राघवेंद्र मिश्रा,युग अग्रवाल, कुणाल कसीधन, हरि मोहन सरांप, दिनेश चंद्र जायसवाल, पंकज नंदा, आरव सिंह, संतोष कुमार सिंह, ध्रुव कुमार गुप्ता, जुगुल जायसवाल, रविंद्र तिवारी सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस की सक्रियता से गुमशुदा व्यक्ति को किया गया बरामद, परिजनों को किया गया सुपुर्द

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अमित कुमार के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जयप्रकाश दुबे के नेतृत्व में 30नो विनोद यादव चौकी प्रभारी माहर, हे0का0 करमचन्द की गठित टीम ने गुमशुदा व्यक्ति को बरामद कर परिजनों को सुपुर्द किया।

दिनांक 29.03.2026 को थाना कोतवाली खलीलाबाद के चौकी माहर पर काजीपुर वार्ड नं0 12 मोहल्ला के एक व्यक्ति के बिना बताये घर से कहीं चले जाने के सम्बन्ध में सूचना प्राप्त हुयी। सूचना



मिलने पर कोतवाली पुलिस द्वारा तत्काल व्यक्ति के तलाश हेतु विभिन्न सोशल मीडिया वेबसाइट के माध्यम से प्रचार प्रसार कराया गया एवं तलाश किया गया, जनसहयोग से लापता व्यक्ति दिनांक 31/03/2026 को रात्रि 10:00 बजे खलीलाबाद में मिले। जिनको बरामद कर सकुशल उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया।

मंदिर वाली गली में जलभराव, सोशल मीडिया पर फोटो-वीडियो वायरल

ग्रामीणों ने निकासी व्यवस्था और सफाई पर उठाए सवाल, श्रद्धालुओं व राहगीरों को हो रही परेशानी

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव कनियान में दुर्गा मंदिर के समीप जलभराव की समस्या को लेकर ग्रामीणों में रोष बढ़ता जा रहा है। मंदिर वाली गली में भरे गंदे पानी के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।कस्बा क्षेत्र के एलम बग़ी पर स्थित दुर्गा मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा- अर्चना के लिए आते हैं। यही रास्ता गांव कनियान के ग्रामीणों के साथ-साथ एलम और आसपास के कई गांवों में आने-जाने के लिए भी मुख्य मार्ग के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन मंदिर के ठीक सामने सड़क पर लंबे समय से जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिससे श्रद्धालुओं और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि गली में पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं है। हल्की बारिश या नालियों का



पानी भी सड़क पर जमा हो जाता है और कई दिनों तक वहीं पड़ा रहता है। इसके कारण रास्ते से गुजरना मुश्किल हो जाता है तथा गंदगी और बदबू से भी लोगों को परेशानी झेलनी पड़ती है।गांव निवासी सोनु और सेवादास का कहना है कि नालियों की नियमित सफाई नहीं की जाती। सफाई कर्मी भी लंबे समय से नाले की सफाई करने नहीं आया है, जिससे नालियां जाम हो

गई हैं और पानी सड़क पर फैल जाता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है।ग्रामीणों ने प्रशासन और ग्राम पंचायत से मांग की है कि मंदिर वाली गली में जल निकासी की उचित व्यवस्था कराई जाए और नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को इस समस्या से राहत मिल सके।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान का आगाज, स्वास्थ्य टीम ने चलाया अभियान



मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार प्रदेश भर में संक्रामक बीमारियों पर लगाम लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने क्षेत्र की नई बस्ती सेलेमपुर मार्ग पर जन-जागरूकता अभियान चलाया। टीम के सदस्यों ने बस्ती के लोगों के घरों पर दस्तक दी, व एक विद्यालय में पहुंचकर छात्र-छात्राओं को भी स्वच्छता और बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया। स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेशानुसार यह

विशेष अभियान 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य बीषण गर्मी और बदलते मौसम के दौरान पनपने वाली घातक बीमारियों जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया और दिमागी बुखार से जनमानस को सुरक्षित रखना है। टीम ने स्पष्ट किया कि जागरूकता ही इन रोगों से बचाव का सबसे सशक्त माध्यम है। विद्यालय में बच्चों को सलाह दी कि वे अपने घर और आसपास जलभराव न होने दें, पूरी बाजू के कपड़े पहनें और सफाई का विशेष ध्यान रखें। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम में अनीता, नजमा, सौम्या, रेखा और नसीम सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

17 वर्षीय पीड़िता के मामले में सख्त कार्रवाई, संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर भेजा गया न्यायालय

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जनपद में मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत महिलाओं पर अपराधों के रोकथाम हेतु पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अमित कुमार के निकट पर्यवेक्षण में थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस द्वारा मु0अ0स0 956/2025 धारा 137(2),64(1),123 बीएनएस व 3/4 पाक्स एक्ट तथा धारा 3(2)(५), 3(2)(va) एससी/एसटी एक्ट के मामले मे जाँझ अभियुक्त बदरे आलम उर्फ बादल पुत्र मो0 अकरम खान निवासी मड़या थाना कोतवाली खलीलाबाद को खलीलाबाद आयुष्मान आरोग्य केंद्र, रौरापार के पास से गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। विदित हो कि उक्त अभियुक्त द्वारा दिनांक 17.10.2025 को वादिनी की पुत्री के

साथ दुष्कर्म के संबंध में वादिनी द्वारा थाना स्थानीय पर दिनांक 18.10.2025 को अभियोग पंजीकृत कराया गया था। घटनास्थल पर थाना कोतवाली खलीलाबाद व अन्य थाने की पुलिस ड्यूटी पर कई दिनों तक तैनात रही। घटनास्थल का उच्च अधिकारीगण द्वारा निरीक्षण किया गया था व सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया था। इस घटना को लेकर ग्राम मड़या व आस पास के गांव में लोक व्यवस्था छिन्न भिन्न हो गयी थी। थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस द्वारा महिला अपराध की संवेदनशीलता को देखते हुए त्वरित कार्यवाही कर दिनांक 19.10.2025 को उक्त अभियुक्त को जेल भेजा गया था। अभियुक्त जमानत कराने के लिए प्रयासरत था। अभियुक्त को दिनांक 30.03.2025 को थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 (एनएसए) की कार्यवाही करते हुए निरुद्ध किया गया।

दो किसानों की भूमि विवाद का राजस्व व पुलिस टीम ने कराया भूमि निपटारा

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के सेलेमपुर मार्ग पर स्थित कृषि भूमि को लेकर दो किसानों के बीच चल रहा लंबे समय से विवाद का बुधवार को प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद सुलझा दिया गया। उप जिलाधिकारी कैराना के आदेश पर गठित राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों की मौजूदगी में भूमि की पैमाइश का समाधान करते हुए भूमि का विवाद कर लिया है।

कस्बा निवासी अनीश और साबिर दोनों खेत के पड़ोसी हैं। दोनों की कृषि भूमि सेलेमपुर मार्ग पर स्थित है। खीते दिनों दोनों के बीच जमीन को सीमांकन को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया था।



दोनों पक्षों ने उप जिलाधिकारी कैराना से शिकायत करते हुए एक-दूसरे पर आरोप लगाया था कि सामने वाले ने उनकी भूमि को अपने चक्र में शामिल कर लिया है।

साथ ही एक-दूसरे पर खेत में खड़े

पेड़ों को काटने के भी आरोप लगाए गए थे। मामले मे उप जिलाधिकारी कैराना ने राजस्व विभाग की टीम गठित कर मौके पर जाकर जांच और पैमाइश करने का आशवासन दिया। आसपास के किसानों ने भी प्रशासन की इस पहल

नारी सुरक्षा, नारी सम्मान’ अभियान चलाकर महिलाओं को किया जागरूक

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे में महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर पुलिस द्वारा नारी सुरक्षा, नारी सम्मान अभियान चलाया गया। अभियान के तहत महिला पुलिसकर्मियों ने कस्बे के विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर महिलाओं और छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

बुधवार को थाने पर तैनात महिला हेड कांस्टेबल मिथलेश ने अपनी सहयोगी महिला पुलिसकर्मी पूजा के साथ मिलकर महिलाओं को आत्मरक्षा, कानून और विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि किसी भी समस्या की स्थिति में महिलाएं बिना संकोच पुलिस की सहायता ले



सकती हैं। अभियान के दौरान स्कूली छात्राओं को भी जागरूक किया गया।

उन्हें अपने अधिकारों को समझने, सतर्क रहने और किसी भी विपरीत परिस्थिति में निडर होकर पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी गई। पुलिस टीम ने कस्बे के कैराना

रोड, रेलवे रोड, दिल्ली बस स्टैंड और मैन बाजार जैसे प्रमुख स्थानों पर पहुंचकर महिलाओं से सीधा संवाद किया और सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारीयां साझा कीं।और बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश पर यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

थाना धनघटा पुलिस ने नाबालिग को शादी का झांसा देकर बहला फुसलाकर भगा ले जाने व दुष्कर्म करने के मामले में अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। जनपद में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत महिलाओं पर अपराधों के रोकथाम हेतु पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी धनघटा अभयनाथ मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में थाना धनघटा 30नो रामदेववल भारती, का0 रविन्द निषाद ने मु0अ0सं0 184/2026 धारा 137(2),87, 64(1) बी0एन0एस0 व 5छ/6 पाक्स एक्ट के मामले में अभियुक्त शिवांश तिवारी पुत्र स्व0 चन्द्रभूषण तिवारी ग्राम परसहर पश्चिमी थाना धनघटा को उमरिया चौराहा से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। विदित हो कि वादी द्वारा दिनांक 01.04.2026 को थाना धनघटा पर वादी की नाबालिग पुत्री को उपरोक्त अभियुक्त द्वारा शादी का झांसा देकर बहला फुसलाकर भगा ले जाने व दुष्कर्म करने के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र देकर अभियोग पंजीकृत कराया गया था।

बुगारसी दौलतपुर मार्ग पर आवासों के सामने हों रहे अतिक्रमण को हटाने की मांग

बुगारसी(वेलकम इंडिया)। दौलतपुर निवासी राम वरन सिंह की शिकायत पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन जिला बुलंदशहर ने स्थलीय जांच हेतु अभिलेख की जांच के लिए तीन अधिकारियों की संयुक्त टीम गटीत की गई थी। संयुक्त टीम ने अपनी जाच आख्या में सडक के बीच से 55/55 फुट से राजकीय भूमि पर ग्रामीणों द्वारा स्थाई व अस्थायि अतिक्रमण करने के सम्बन्ध में बताया गया है कि मार्ग पर किये गये चिन्हीकरण इस कार्यालय से संबंधित अभियंता व अवर अभियंता तथा संबंधित लेखपाल द्वारा किया जा चुका है। विषयक मार्ग पर ग्रामीणों द्वाारा अतिक्रमण हटाने हेतु आप से लिखि निर्धारित करने की कृपा करे। सुवनाथ एक एक प्रतिलिपि प्रेषित,अपर जिलाधिकारी क्षेत्राधिकारी अधिकारी सहित सभी संबंधित अधिकारियों को भेज दी गई है।

विद्या प्रवेश स्कूल रेडिनेस अभिमुखीकरण कार्यशाला संपन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह के निर्देश पर नए सत्र 2026-27 के अंतर्गत कक्षा-1 में संचालित किए जाने वाले विद्या प्रवेश / स्कूल रेडीनेस कार्यक्रम हेतु ब्लॉक सेमरियावां की न्याय पंचायत सेमरियावां के संकुल शिक्षक, नोडल शिक्षक और प्रधानाध्यापक का अभिमुखीकरण कार्यशाला बुधवार को जूनियर हाई स्कूल सेमरियावां में सम्पन्न हुई।

खंड शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने बताया इस कार्यशाला का उद्देश्य कक्षा-1 में प्रवेश लेने वाले नन्हें विद्यार्थियों के लिए एक सहज, आनंदमय एवं प्रभावी शिक्षण वातावरण तैयार करना है।

नोडल संकुल शिक्षक जफीर अली ने कहा कि निपुण भारत मिशन में बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान से जुड़े कौशलों में निपुणता हासिल करने को प्राथमिकता दी गई है। बुनियादी कौशलों में महारत हासिल करने के लिए प्रारंभिक कक्षाओं को प्रथम सीढ़ी माना गया है। शुरूआती 5,6 वर्षों में



बच्चों के कुल मस्तष्क का लगभग 80 प्रतिशत विकास हो जाता है।कक्षा एक में प्रवेश करने वाले बच्चों के लिए शुरूआती 12 सप्ताहों के लिए विद्या प्रवेश मांड्युल तैयार किया गया है। बच्चों के साथ स्कूल की तैयारी से जुड़े कौशलों के विकास पर कार्य किया जाएगा।

8 सप्ताह की शिक्षक संदर्शिका स्कूल रेडिनेस का निर्माण किया गया है।प्रतिदिन होने वाली गतिविधियों और उसकी रणनीति को विस्तार से समझाया गया। प्रत्येक दिवस मार्निंग सर्कल टाइम,स्वतंत्र खेल,भाषा और

साक्षरता,कला,गणित ईवीएस वैज्ञानिक सोच बाहरी खेल, आदि के अनुसार शिक्षण कार्य करना है। बच्चों को विद्यालय में आते ही सहज होने का मौका दें। शिक्षक बच्चों से सतत संवाद बनाए रहें। कक्षा में बच्चों को घर की भाषा उपयोग के अवसर दें। शिक्षक द्वारा कविता कहानी सुनाएं। प्रशिक्षण मे विनय कुमार मिश्र,जरार अहमद,शाहीना खतून,शामा अजीज,अब्दुल खालिक ,आरिफ खतून,भोले नाथ, डीएन यादव आदि ने प्रतिभाग किया।

ग्रामीण युवक पर हमला, तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव रसूलपुर गुजरान के पास एक सप्ताह पूर्व एक युवक के साथ हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।गांव रसूलपुर गुजरान निवासी श्रद्धतिक पुत्र अशोक कुमार ने पुलिस की दी तहरीर में बताया कि विगत 26 मार्च की शाम करीब सात बजे वह किवाना ईंट भट्टे से अपने घर लौट रहा था। आरोप है कि गांव के पास ही शुभम, बलजोर और जीतू ने उसे रोक लिया। तीनों ने पहले उसके साथ गाली-गलौज की और विरोध करने पर तमंचे की बट से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।शोर-शरावा होने पर आरोपी उसे

लहलुहान हालत में छोड़कर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। परिजनों ने घायल युवक को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया था।अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद पीड़ित ने एक थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है और जल्दी गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।



दोस्ती के पीछे छिपा था दुश्मन: बुलंदशहर में साक्षर की हत्या का चौंकाने वाला सच आया सामने

अवंतिका किन्नर और दीपक का खौफनाक खेल: साक्षर को रास्ते से हटाने के लिए रची गई मौत की साजिश

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। बुलंदशहर की फिजाओं में इन दिनों एक ऐसे कत्ल की चर्चा है, जिसने दोस्ती के पाक रिश्ते को लहलुहान कर दिया है। नगर पुलिस और स्वाट टीम ने महज 24 घंटे के भीतर साक्षर हत्याकांड का जो खुलासा किया है, वह किसी फिल्मी थ्रिलर से कम नहीं है। इस हत्याकांड के पीछे कोई पुरानी रंजिश नहीं, बल्कि एक 'किन्नर' की मोहब्बत और उस मोहब्बत के गवाह बन गए एक दोस्त की खौफनाक मौत की कहानी छिपी है।

गुनाह की जड़: 'वो' मंजर और दीपक का डर

पुलिस की फाइल के मुताबिक, वारदात का मास्टरमाइंड दीपक अपने किन्नर दोस्त अमन उर्फ अवंतिका के प्यार में इस कदर गिरफ्तार था कि उसे



सही-गलत का होश नहीं रहा। बर्दाकस्मती से मृतक साक्षर ने दीपक और अवंतिका को एक साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था।

दीपक को डर सताने लगा कि साक्षर समाज में उसका चेहरा बेनकाब कर देगा। इसी बदनामी के डर ने दीपक के भीतर छिपे दरिंदे को जगा दिया।

मौत का 'ब्लूप्रिंट' और बेरहमी की इतहा

दीपक ने साक्षर को रास्ते से हटाने के लिए अपनी 'किन्नर प्रेमिका' अवंतिका और दो साथियों-देवेश व शुभम के साथ मिलकर मौत का जाल बुना। साक्षर को सुनसान जगह पर बुलाया गया और फिर शुरू हुआ खूनी खेल। आरोपियों ने ईंटों और डंडों से साक्षर पर तब तक वार किए, जब तक उसके शरीर की हरकत बंद नहीं हो गई। कालिलों का दिल इतने पर भी नहीं भरा; उन्होंने साक्ष्य मिटाने के लिए साक्षर

की लाश को चन्देरु के वीराने में जमीन खोदकर गाड़ दिया।

खाकी का शिकंजा: 24 घंटे में कातिल पस्त

साक्षर की गुमशुदगी ने पुलिस के कान खड़े कर दिए थे। स्वाट टीम और नगर पुलिस ने जब कड़ियां जोड़ीं, तो शक की सुई देवेश और शुभम पर जा टिकी। पुलिसिया पृष्ठताछ के 'थर्ड डिग्री' के आगे कातिलों का हाँसला टूट गया

कातिल तिकड़ी : अवंतिका (किन्नर), देवेश और शुभम पुलिस की गिरफ्त में।

शव बरामदगी : चन्देरु के जंगल में जमीन के नीचे से निकाला गया साक्षर का शव।

वजह : अवैध संबंधों का चश्मदीद बनना साक्षर को पड़ा भारी।

पुलिस की जीत : 24 घंटे के भीतर अंधे कत्ल का सफल अनावरण।

और उन्होंने जमीन के नीचे दबा सारा सच उगल दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर खुदाई करवाई और साक्षर का क्षत-विक्षत शव बरामद कर परिजनों के कलेजे पर दुखों का पहाड़ तोड़ दिया।

मास्टरमाइंड की तलाश में खाकी की दबिश

एसपी सिटी ने बताया कि अवंतिका

(किन्नर), देवेश और शुभम को सलाखों के पीछे भेज दिया गया है। लेकिन घटना का असली विलेन दीपक अभी भी पुलिस की आंखों में धूल झाँककर फरार है। पुलिस की तीन टीमें पाताल तक दीपक की तलाश में छापेमारी कर रही हैं। शहर में चर्चा है कि 'इश्क में अंधे' दीपक को अब कानून का खौफनाक चेहरा देखना पड़ेगा।

खाकी के 'पहरे' को ठेगा: शिकारपुर कोतवाली के गेट पर 'अपराधी' का रील-काल, पुलिस सोती रही और युवक 'स्वैम' दिखा ले गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश पुलिस जहाँ एक तरफ 'ऑपरेशन पाताल' चलाकर अपराधियों के मन में खौफ भरने का दावा कर रही है, वहीं बुलंदशहर के शिकारपुर में इसके उलट तस्वीर सामने आई है। यहाँ पुलिस के 'इकबाल' का जनाजा उस वक्त निकल गया, जब एक सिरफिरे युवक ने शिकारपुर कोतवाली के मुख्य द्वार को ही अपना 'शूटिंग सेट' बना डाला। युवक ने कोतवाली के गेट पर खड़े होकर न केवल रील बनाई, बल्कि उसे सोशल मीडिया पर शेयर कर बुलंदशहर पुलिस को खुली चुनौती दे डाली।

‘स्वागत करो हमारा हम जेल से आए हैं...’ गांने पर दी चुनौती

सांशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो ने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया है। युवक ने कोतवाली के गेट पर ‘स्वागत करो हमारा, हम जेल से आए हैं’ गांने पर अपना जलवा बिखेरा। वीडियो में युवक के हाव-



भाव साफ बता रहे हैं कि उसे न तो कानून का डर है और न ही खाकी का खौफ। हैरानी की बात यह है कि जिस गेट से बड़े-बड़े अधिकारी गुजरते हैं, जहाँ 24 घंटे संतरी का पहरा होता है, वहाँ यह युवक आराम से वीडियो शूट करता रहा और पुलिस को भनक तक नहीं लगी।

कुंभकर्णी नींद में 'सिपाही', अपराधी के हाँसले बुलंद

अखबारी गलियारों में चर्चा है कि

अगौता पुलिस ने 25 पेटी अवैध शराब के साथ दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार



वेलकम इंडिया संवाददाता

अगौता/बुलंदशहर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के आदेशानुसार जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाए जाने के क्रम में चलाए जा रहे शांतिर अपराधियों वारंटियों वांछित अभियुक्तगण की धरपकड़ अभियान एवं पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर एवं अगौता प्रभारी निरीक्षक संजेश कुमार के नेतृत्व में थाना अगौता पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान मंगलवार की रात्रि को दो शांतिर शराब तस्करीं को ग्राम पवसरा औरंगाबाद रोड पर कट रही

कालोनी के पास से 25 पेटी अवैध मिस ड्रिंडिया मार्का देसी शराब व एक वैमनार कार के साथ गिरफ्तार किया पकड़े गए अभियुक्तों ने अपना नाम आकाश पुत्र किशनप्रताप निवासी ग्राम बिसुंदरा थाना औरंगाबाद बताया तथा दूसरे ने अपना नाम विकास पुत्र महेश ग्राम बिसुंदरा थाना औरंगाबाद जिला बुलंदशहर बताया।अगौता प्रभारी निरीक्षक संजेश कुमार ने बताया कि पकड़े गए दोनों अभियुक्त कार्फि समय से शराब का कारोबार कर रहे थे जो बाहर से शराब लाकर क्षेत्र में सप्लाय करते थे जिन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

कोतवाली के पास गेस्ट हाउस पर छापा, घंटों चला हाईवोल्टेज ड्रामा

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। कस्बे में बुधवार को अवैध रूप से संचालित गेस्ट हाउस की शिकायत के बाद पुलिस की छापेमारी के दौरान भारी हंगामा और अफवाहें फैलने को मिली। कोतवाली से चंद मीटर की दूरी पर चल रहे इस अवैध गेस्ट हाउस पर जब पुलिस कार्रवाई करने पहुंची, तो वहाँ पर कई युवक व युवतियाँ ठहरी हुई मिली। गेस्ट हाउस की मिली शिकायत पर पुलिस द्वारा कार्रवाई के दौरान होटल संचालक की दबंगई देखने को मिली। जहाँ एक तरफ गेस्ट हाउस संचालक व वहाँ मौजूदा भीड़

के बीच तनातनी देखने को मिली, वहीं दूसरी तरफ गेस्ट हाउस के संचालक पर आरोप लगा है कि उसने अपने आप को इंसपेक्टर बताया। हद तो तब हो गई जब उसने SHO की खड़ी गाड़ी के ठीक सामने बंद कमरे का ताला खोला और अंदर मौजूद युवक-युवतियों को बाहर निकाल दिया। संचालक ने सार्वजनिक रूप से दावा किया कि वह होटल की चाबियाँ कहीं और से नहीं, बल्कि कोतवाली से ही लेकर आया है।कार्रवाई के दौरान मौके पर स्थानीय व राह चलते लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। होटल संचालकों और भीड़ के बीच तीखी नोकझोंक

बौर रजिस्ट्रेशन के किसी भी होटल या गेस्ट हाउस को संचालित नहीं होने दिया जाएगा। सभी को कड़ी चेतावनी जारी कर दी गई है और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। सुदेश कुमार प्रभारी निरीक्षक।

और तनातनी हुई। स्थानीय निवासियों में इस बात को लेकर गहरा रोष था। कोतवाली से महज कुछ दूरी पर चल रहे इन अवैध होटल व गेस्ट हाउस को लेकर स्थानीय लोग पहले भी सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से शिकायत कर चुके हैं।

जहांगीराबाद में भईपुर दोराहे पर अवैध होटलों पर छापा, नाबालिग की सूचना पर दौड़ी पुलिस, रजिस्ट्रेशन न मिलने पर होटल बन्द

होटल संचालक से काफी देर तक हुई कहासुनी, युवक-युवतियों को छोड़ा गया, उधर पुलिस ने करवाया होटल तत्काल बन्द

वेलकम इंडिया संवाददाता



और मौजूदा भीड़ के बीच भी हड़कंप देखने को मिला।

शिकायतों से जुड़ा रहा है होटल, एक बार फिर हुआ बंदझू(इंसेट)

सूत्रों के मुताबिक, अब से पहले ही होटलों की शिकायतें स्थानीय लोगो द्वारा सोशल मीडिया व तमाम प्लेटफार्म के जरिए की जाती रही हैं। पहले कार्रवाई भी हुई, लेकिन पुनः पुराने अंदाज में यह होटल फल फूल रहे हैं।

जिससे स्थानीय प्रशासन को लेकर स्थिति संदिग्ध प्रतीत होती हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह पूरा घटनाक्रम पुलिस की मौजूदगी में हुआ। हालांकि, इस पूरे मामले में पुलिस अधिकारियों की ओर से अब तक कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है। अब देखा होगा कि इस पूरे मामले में प्रशासन क्या कदम उठाता है और अवैध रूप से चल रहे होटलों पर किस तरह की सख्ती की जाती है।

इंसपेक्टर सुदेश बोले, चेतावनी देकर सभी को छोड़ा गयाझू(इंसेट)

थाना प्रभारी सुदेश कुमार ने कहा है कि बगैर रजिस्ट्रेशन होटल नहीं चलने दिया जाएगा।फिलहाल सभी को चेतावनी देकर निर्देश दे दिए गए हैं।

वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित, मेधावी छात्र सम्मानित



वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। रावत पब्लिक इंटर कॉलेज का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर मेधावियों को सम्मानित किया गया। बुधवार को प्रधानाचार्य चौब सिंह ने परीक्षा परिणाम की घोषणा की। जिसमें कक्षा एनसी में लव कुश, अवनी, दक्ष, एल्केजी में कोमल, दीपक, प्रियांशी, यूकेजी में निधि, ऋषभ, वंश, द्वितीय में तनु, आयुष, सवि, तीसरी में भूमि, सुरभि, वंशी, चौथी में दीपांशी, दृष्टि, वंशकुल, पांचवीं में यश द्वितीय, सुहानी, साक्षी, छठवीं में यशु, मानवी, काव्याशर्मा, सातवीं में गुड्डी, मीनाक्षी, जतिन द्वितीय आठवीं में वंशिका, विकास, सिमरन, कक्षा

नवमी ए में सोनिया, देव चौधरी, छवि चौधरी, बी में नेहा, देव कुमार, ऋषभ रावत, कक्षा ग्यारहवीं ए में सोनी, हिमांशी, मौहम्मद साद, बी में अंजलि, खुशी चौधरी, पंकज चौधरी और सी में हनी, निशु, सारांश चौधरी को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने पर सम्मानित किया गया। मेधावियों को प्रमाण पत्र और शीलड नगर पालिका परिषद की चेयरपर्सन राजवाला देवी सैनी, प्रधानाचार्य चौब सिंह, प्रबंधक सुनील रावत, अध्यक्ष राजकुमार रावत, रघुराज सिंह रावत, अजय सिंह, सत्येंद्र सिंह, उमेश सिंह, मुनेश, रूपेश, अंजू शर्मा, मुस्कान शर्मा, समरीन, पूजा, सोनम, राधेश्याम सैनी आदि शिक्षक और शिक्षिकाओं ने सौंप कर सम्मानित किया।

वाराही मैया की श्रद्धालुओं ने लगाई जात और बच्चों के स्वस्थ रहने की मैया से मांगी मनौती



प्रसिद्ध है। यह वर्तन पशुओं के दूध घरों में महिलाएं दूध जमाने में प्रयोग करती हैं। मैया की जात लगाने के बाद श्रद्धालु मेला में लगी विभिन्न प्रकार की दुकानों से जमकर खरीदारी करते हैं। बच्चों ने जमिर्ग और फिसलकर खूब आनन्द लिया। इस बार जटपुरा,शिकोई, हसनपुर वांगर, खदाना,पौटा आदि गांवों से निजी साधनों से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मंदिर में आकर पूजा अर्चना कर मनौती



मांगी।दिनभर भक्तों का तांता लगा रहा।

लगजरी गाड़ी, हाई-प्रोफाइल चोरी: पुलिस के चक्रव्यूह में फंसे स्कॉर्पियो सवार 'बैटरी चोर'



वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। जनपद में अपराधियों की शामत आई हुई है। बुधवार को थाना ककोड़ पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए हरियाणा के दो शांतिर चोरों को उस समय दबोच लिया, जब वे चोरी के माल को ठिकाने लगाने के लिए 'बिना नंबर' की स्कॉर्पियो से सड़क नाप रहे थे। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की 24 हाई-कैपसिटी बैटरियां बरामद की हैं, जो हरियाणा के भिवानी में मोबाइल टावर से गायब की गई थीं। चेकिंग देख सिट्टी-पिट्टी हुई गुम दरअसल, एसएसपी के निर्देश पर जिले

भर में अपराधियों के खिलाफ अभियान चल रहा है। इसी कड़ी में प्रभारी निरीक्षक संजय वर्मा की टीम अजनयनगर भुंटे के पास संदिग्ध वाहनों की टोह ले रही थी। तभी एक बिना नंबर की सफेद स्कॉर्पियो आती दिखाई दी। पुलिस ने जैसे ही रुकने का इशारा किया, कार सवारों के चेहरे सफेद पड़ गए। घेराबंदी कर जब गाड़ी की तलाशी ली गई, तो पुलिस की आंखें फटी रह गईं। पिछली सीटों और डिग्री में चोरी की 24 भारी-भरकम बैटरियां लदी हुई थीं। भिवानी से चुराया, बुलंदशहर में 'बाजार' तलाश रहे थे पुलिस की 'थर्ड डिग्री' पृष्ठताछ में चोरों ने अपना जुर्म उगल दिया।

सावधान! डग्गामार स्कूल बसों पर चला 'बाबा' का हंटर; पहले ही दिन तीन बसें सीज, स्कूल संचालकों में हड़कंप

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। मासूमों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले स्कूल वाहन संचालकों की अब खैर नहीं। मुख्यमंत्री के कड़े तैवर के बाद हरकत में आए परिवहन विभाग ने बुधवार से जिले भर में 'ऑपरेशन क्लीन' शुरू कर दिया है। अभियान के पहले ही दिन एआरटीओ



प्रबंधकों को सख्त चेतावनी दी गई है।

पोर्टल पर देनी होगी 'जन्म-कुण्डली'

अब केवल सड़क पर फिटनेस दिखाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि



डिजिटल दुनिया में भी वाहनों को खरा उतरना होगा। शासन ने UP-ISVMP नाम से नया पोर्टल (https://upisvmp.com) लाइव कर दिया है। अब स्कूल प्रबंधकों को अपने हर वाहन का फिटनेस सर्टिफिकेट,

बीमा और शपथ-पत्र इस पोर्टल पर अपलोड करना ही होगा। जो स्कूल इसमें 'खेल' करने की कोशिश करेंगे, उनकी मान्यता पर भी गाज गिर सकती है।

रोड पर मची अफरा-तफरी

बुधवार सुबह जैसे ही एआरटीओ की टीम लाव-लश्कर के साथ सड़क पर उतरी, अवैध रूप से चल रहे स्कूली वाहनों के चालकों में खलबली मच गई। चेकिंग के दौरान कुल 65 वाहनों को रोका गया। किसी का बीमा खत्म था, तो किसी की फिटनेस मियाद पूरी हो चुकी थी। टीम ने जब सख्ती की तो कई चालक बहाने बनाते दिखे, लेकिन अधिकारियों

ने एक न सुनी।

अफसर की दो टूक: 'बच्चों की सुरक्षा से समझौता नहीं'

एआरटीओ (प्रवर्तन) ने साफ शब्दों में कहा कि यह अभियान 15 अप्रैल तक लगातार चलेगा। उन्होंने स्कूल प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों को दो टूक चेतावनी दी है— या तो कागज दुरुस्त कर लें या फिर वाहनों को सड़क पर न उतारें। 'मासूमों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पोर्टल पर पंजीकरण न करने वाले और कंडम बसों को ढोने वाले स्कूलों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी।



